Under CSR Support by Ipca Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. बच्चों का कोहरे से ढँकी सड़क पर काम करने के लिए जाना किसके लिए चिंता का विषय बन गया है?

(अ) माता-पिता के लिए
(ब) सरकार के लिए
(स) समाज के लिए
(द) कवि के लिए

2. कवि राजेश जोशी अपनी कविता 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' में बच्चों का काम पर जाना किस रूप में प्रकट करना चाहते हैं?

(अ) निषेधात्मक की तरह
(ब) चिंता के रूप में
(स) विवरण की तरह
(द) प्रश्न की तरह

3. कवि राजेश जोशी ने अपनी कविता 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' में 'हस्बमामूल' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में किया है?

(अ) सभी वस्तुओं का अपने स्थान पर होना
(ब) विद्यालयों का भूकंप में नष्ट हो जाना
(स) दीमक द्वारा सारी पुस्तकों का नाश कर देना
(द) सारे गेंदों का खो जाना

4. कवि राजेश जोशी का जन्म कब हुआ?

(अ) सन् 1945 में
(ब) सन् 1948 में
(स) सन् 1946 में
(द) सन् 1936 में

5. कवि राजेश जोशी ने हिंदी साहित्य की कौन-सी विधा में रचना नहीं की है? ('बच्चे काम पर जा रहे हैं')

(अ) रिपोतार्ज
(ब) नाटक
(स) लेख
(द) कहानी

6. बच्चे काम पर जा रहे हैं काव्य के संदर्भ में कवि के अनुसार बचपन कैसा होना चाहिए?

(अ) बचपन में काम करना चाहिए
(ब) बचपन मधुर कल्पना जैसा होना चाहिए
(स) बचपन खुशियों से भरा होना चाहिए
(द) बचपन में पढ़ना भी चाहिए

7. कोहरे से ढकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं सुबह-सुबह
बच्चे काम पर जा रहे हैं
कवि राजेश जोशी की कविता 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' की इन पंक्तियों में कौन-सा गुण देखा जा सकता है?

(अ) शांत रस
(ब) चित्रात्मकता
(स) गतिशीलता
(द) गेयता

8. हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह
काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे ?
कवि राजेश जोशी की कविता 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' की इन पंक्तियों में 'भयानक' क्या हैं?

(अ) बच्चों का काम पर जाना
(ब) सबका चुप रहना
(स) प्रश्न की तरह लिखा जाना
(द) विवरण की तरह लिखा जाना

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | Quiz | PDF | Test Series
Download Mission Gyan App

9. **कबि राजेश जोशी ने अपनी कविता 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' में मुख्य रूप से किस छंद का प्रयोग किया है?**

(अ) तुकान्त (ब) अतुकान्त

(स) सवैया (द) विषम

10. **क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदे**
क्या दीमकों ने खा लिया है, सारी रंग-बिरंगी किताबों को
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं, सारे मदरसों की इमारतें
कवि राजेश जोशी की कविता 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' की इन पंक्तियों में कौन-सा शब्द उर्दू भाषा का नहीं है—

(अ) मदरसे (ब) इमारत

(स) अंतरिक्ष (द) किताब

रिक्त स्थान :

11. बच्चे _____ सड़क से काम पर जा रहे हैं।

12. काम पर जा रहे बच्चों के हिस्से की गेंद _____ गिर गई होगी।

सत्य / असत्य

13. पिताजी काम करने जा रहे है।

14. अगर नन्हें बच्चों को बचपन की सारी सुविधाएँ न मिलें तो उनका जीवन कष्टमय होगा।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. लोगों को बच्चों का काम पर जाना अटपटा क्यों नहीं लगता?

16. आपके विचार से बच्चों को काम पर क्यों नहीं भेजा जाना चाहिए? उन्हें क्या करने के मौके मिलने चाहिए?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. बच्चों को काम पर जाता देखकर आपके मन में जो विचार आते हैं उन्हें अपने शब्दों में लिखिए।

18. बच्चे काम पर जा रहे हैं-कविता में काले पहाड़ किसके प्रतीक हैं? ये काले पहाड़ किस तरह हानिप्रद हैं?

निबंधात्मक प्रश्न

19. बालश्रम अपराध है फिर भी बच्चों को काम करते हुए देखा जा सकता है। इसके क्या कारण हो सकते हैं, लिखिए।

20. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

HOTS

21. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता में कवि ने समाज के लिए क्या संदेश दिया है?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by Ipca | Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अध्याय-13 | बच्चे काम पर जा रहे हैं | राजेश जोशी

Worksheet-1 उत्तरमाला

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (द) बच्चों का कोहरे से ढँकी सड़क पर काम करने के लिए जाना कवि के लिए चिंता का विषय बन गया है क्योंकि उनके अनुसार हर बच्चे को बचपन में खेलने और पढ़ने का अवसर मिलना चाहिए।
2. (द) प्रश्न की तरह। कवि प्रश्न करना चाहता है कि क्यों बच्चों को काम में भेज कर उनका बचपन छीन लिया गया।
3. (अ) बच्चों के लिए जरूरी होता है गेंद, पुस्तकें, विद्यालय आदि का होना। सभी वस्तुएं अपने स्थान पर है परंतु छोटे-छोटे बच्चे काम पर जा रहे हैं।
4. (स) कवि राजेश जोशी का जन्म सन् 1946 में हुआ।
5. (अ) रिपोतार्ज। अन्य सभी विधाओं का प्रयोग कवि ने किया है।
6. (स) बच्चे काम पर जा रहे हैं काव्य के संदर्भ में कवि के अनुसार बचपन खुशियों से भरा होना चाहिए।
7. (ब) चित्रात्मकता। कवि ने चित्रण किया है कि सुबह सुबह कोहरे से ढकी सड़कों पर छोटे बच्चे काम के लिए जा रहे हैं।
8. (अ) बच्चों का पढ़ने न जाकर काम पर जाना और किसी का प्रश्न करना भयानक माना है।
9. (ब) अतुकान्त। जहां चरण के अंत में किसी प्रकार की कोई आवृत्ति नहीं की गई है अतः अतुकांत छंद है।
10. (स) अंतरिक्ष हिंदी का तत्सम शब्द है।
11. **रिक्त स्थान :** कोहरे से ढकी सड़क
12. **रिक्त स्थान :** अंतरिक्ष में
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. लोगों को बच्चों का काम पर जाना अटपटा इसलिए नहीं लगा क्योंकि वे संवेदना शून्य हो गए हैं।
16. मेरे विचार से बच्चों को काम पर इसलिए नहीं भेजा जाना चाहिए क्योंकि अपने इन दयनीय हालातों को देखकर उनके मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ता है जो उनके आने वाले जीवन के लिए बिलकुल भी उचित नहीं है। यह उम्र उनकी पढ़ने लिखने की होती है उन्हें पढ़ने लिखने का पूरा मौका मिलना चाहिए ताकि वह शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन को संवार सके। इसके लिए उन्हें स्कूल भेजना चाहिए और स्कूल में होने वाली खेल-कूद की प्रतियोगताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए। ऐसा होने से ही उनके व्यक्तित्व को समुचित विकास हो सकेगा। क्योंकि बच्चे के कन्धों पर ही देश के भावी भविष्य की जिम्मेदारी होती है।
17. बच्चों को काम पर जाता देखकर हमारे मन में यह विचार आता है कि इस उम्र में बच्चों को काम पर नहीं जाना चाहिए। उन्हें काम करने के बजाय पढ़ने लिखने और खेलने-कूदने का अवसर मिलना चाहिए। यदि उन्हें ऐसे अवसर प्रदान किये जाए तो ये मज़दूर न बनकर योग्य नागरिक बन सकेंगे और समाज व देश की प्रगति में अपना योगदान देने में सक्षम होंगे।
18. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता में काले पहाड़ समाज में व्याप्त शोषण तथा अव्यवस्था के प्रतीक हैं। इसी व्यवस्था के कारण समाज का एक वर्ग बच्चों का शोषण करता है। वह वर्ग उनसे काम करवाकर उनका भविष्य खराब करता है। उन्हें मजदूरी भी बहुत कम दी जाती है। ऐसे लोगों के लिए अपनी जेब भरना ही उनका प्रथम कर्तव्य है।
19. बालश्रम अपराध है फिर भी बच्चों को काम करते हुए देखा जा सकता है। इसके निम्नलिखित कारण हो सकते हैं-
    1. इनमें सबसे पहला कारण गरीबी है। बच्चों की मूलभूत ज़रूरतें पूरी न करने पर माँ-बाप उन्हें काम पर भेजने को विवश हो जाते हैं।
    2. दूसरा कारण लोगों की स्वार्थी प्रवृत्ति है जिसके कारण अपने फायदे के लिए वे बच्चों को काम पर जाने से नहीं रोकते हैं।
    3. अन्य कारण समाज की संवेदनहीनता है जिसके कारण बच्चे काम करते हुए देखे जा सकते हैं।
20. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता में सामाजिक सरोकारों का महत्त्व देते हुए बच्चों के काम पर जाने की पीड़ा को कवि ने बड़े ही मर्मस्पर्शी ढंग से व्यक्त किया है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

यह बच्चों के खेलने-कूदने और पढ़ने-लिखने की उम्र है पर सामाजिक विषमता ने उनकी शिक्षा, खेलकूद और भविष्य के अच्छे अवसर को उनसे छीन लिया है। बच्चों को यूँ काम पर जाने को किसी भूकंप के समान भयावह कहा गया है। वास्तव में इसमें कवि समाज की संवेदनहीनता पर व्यंग्य कर रहा है। समाज इन बच्चों को काम पर जाता देखकर भी चिंतित नहीं होता क्योंकि इसमें उनका बच्चा नहीं होता है और दूसरे बच्चे से उन्हें कोई लेना-देना नहीं। वे केवल मूक बनकर सब कुछ देखते रहते हैं क्योंकि ये उनके लिए बड़ी सामान्य बात है।

21. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता में कवि ने बच्चों के काम पर जाने की समस्या को प्रमुखता से उभारा है। उन्होंने समाज से प्रश्न किया है कि ऐसा क्या हो गया कि बच्चों को पढ़ने-लिखने की उम्र में काम पर जाना पड़ रहा है। समाज के लोग यह सब देखकर भी चुप बैठे हैं। कवि को समाज की यह संवेदनहीनता और भावशून्यता बड़ी ही भयानक लगती है। कवि समाज की इस संवेदनहीनता तथा भावशून्यता को दूर करना चाहता है। वह चाहता है कि समाज इन बच्चों के बारे में कुछ सोचे और उन्हें बाल-मजदूरी से छुटकारा दिलाए जिससे उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। सभी लोग मिलकर बच्चों को पढ़ने-लिखने, खेलने-कूदने का अवसर प्रदान कराएँ जिससे पढ़-लिखकर यही बच्चे कल देश के सुयोग्य नागरिक बन सकें।

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App